डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2019 में किया गया एक साथ 50 नई पुस्तकों का लोकार्पण

साहित्य संसार का गौरव बढ़ाती हैं साहित्य अकादेमी की पुस्तकें – कमल किशोर गोयनका

संस्कृति का निर्माण स्त्रियों ने ही किया है – मृदुला गर्ग

नई दिल्ली 5 जनवरी 2019। आज से शुरू हो रहे विश्व पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित 50 नई पुस्तकों का एक साथ लोकार्पण किया गया। यह लोकार्पण प्रख्यात लेखक एवं केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयनका द्वारा साहित्य अकादेमी के हाल सं. 8–11 स्टॉल नं. 89–93 पर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए कमल किशोर गोयनका ने कहा कि साहित्य अकादेमी की पुस्तकें साहित्य संसार का गौरव बढ़ाती हैं। वे न केवल अपने विषयों की विविधता में उत्कृष्ट होती हैं बल्कि बेहद सस्ती भी होती हैं। आगे उन्होंने कहा कि साहित्य अकादेमी से मेरा संबंध लगभग 4 दशक पुराना है और इस बीच मैंने साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की श्रेष्ठता को निरंतर बढ़ते हुए देखा है। ये श्रेष्ठता तकनीक, विषय–वस्तु और उनकी निरंतर बढ़ती संख्या में भी नजर आती है। साहित्य अकादेमी की पुस्तकों के सस्ते होने के कारण विद्यार्थी वर्ग उन्हें बड़ी संख्या में खरीद पाता है। किताबों के इस महाकुंभ में साहित्य अकादेमी की पुस्तकें यहाँ आए पाठकों और खरीददारों के लिए नायाब तोहफा है। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में गोयनका जी का स्वागत पुस्तकें भेंट करके किया। आगे उन्होंने कहा कि साहित्य अकादेमी की पुस्तक प्रकाशन नीति 24 भारतीय भाषाओं के साहित्य को अनुवाद के ज़रिए एक–दूसरे तक पहुँचाना है और इसके लिए वह पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक साहित्य अकादेमी विभिन्न भारतीय भाषाओं में 7 हजार से ज्यादा पुस्तकें प्रकाशित कर चुकी है। उन्होंने वहाँ उपस्थित सभी पाठकों को सूचित किया कि पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम जैसे – आदिवासी लेखक सम्मिलन, पूर्वोत्तरी एवं बाल साहिती कार्यक्रमों के अतिरिक्त पठन–पाठन की संस्कृति पर एक परिचर्चा भी आयोजित करेगी।

आज आयोजित 'नारी चेतना' कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात लेखिका मृदुला गर्ग ने की और इसमें जे. भाग्यलक्ष्मी ने अपनी कविताएँ, तरन्नुम रियाज़ ने उर्दू कहानी तथा सुकृता पॉल कुमार ने अंग्रेजी कविताएँ प्रस्तुत कीं। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रख्यात लेखिका मृदुला गर्ग ने कहा कि चेतना मनुष्य होने का पर्याय है। पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति के विकास में महिलाओं का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण है। चेतना की कमी के चलते ही मनुष्य ने स्त्रियों को डरा धमकाकर उनके और अपने बीच असमानता की एक ऐसी रेखा खींच दी जिसको मिटाया जाना जरूरी है। इस समय नर या नारी चेतना की बजाय ऐसी चेतना की जरूरत है जो सभी के साथ समानता का व्यवहार करे।

कल 6 जनवरी 2019 को सायं 5.00 बजे 'बहुभाषी रचना–पाठ' का आयोजन हाल नं. 12 के आर्थर्स कॉर्नर में रखा गया है, जिसके अध्यक्ष होंगे प्रख्यात गुजराती कवि वासुदेव सुनानी और हिंदी, उर्दू, पंजाबी के रचनाकार अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे।

इस पुस्तक मेले में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित हिंदी एवं अन्य भाषाओं की पुस्तकें हॉल नं. 8–11 के स्टॉल संख्या 88–93 में एवं अंग्रेजी पुस्तकें हॉल नं. 12ए, स्टॉल संख्या 122–123 में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

के. श्रीनिवासराव

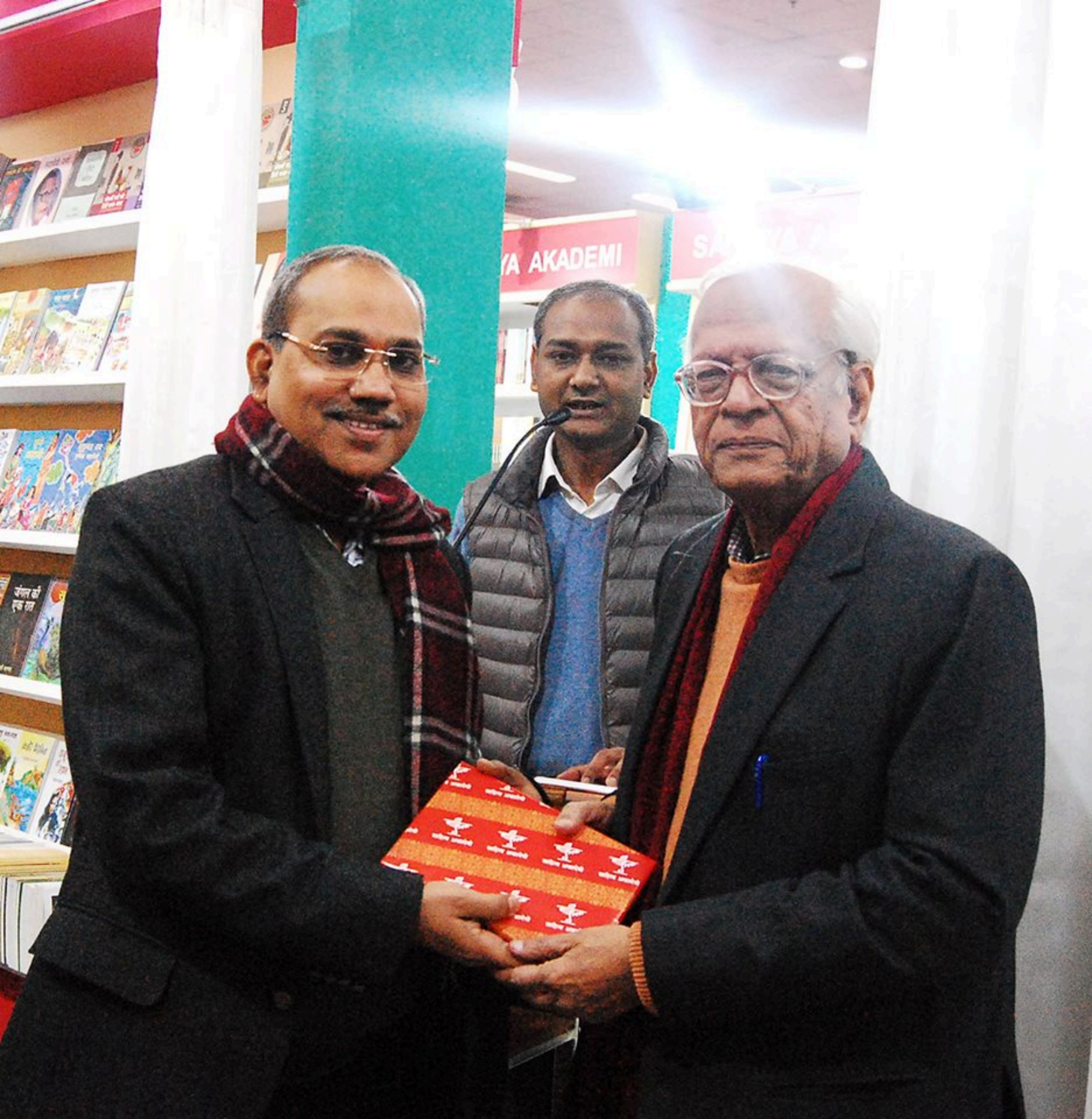
YA AKADEMI

SAHITYA AKADEMI

AHITYA AKADEMI

नई दिल्ली

AUTHOR'S CORNER
Pragati Maidan, New Delhi
Organised by
nbt.india
NEW DELHI
5-13 JANUARY 2019
WORLD BOOK FAIR
PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI
नई दिल्ली